विश्व खाद्य कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य सहायता प्रबंध के अन्तर्गत यह एक खाद्य सहायता कार्यक्रम है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वन विभागीय कार्यों में नियोजित मजदूरों में से प्रत्येक मजदूर से 9.00 रू० का स्वैच्छिक अंशदान प्राप्त करके उसके बदले में उसे 2.50 कि0ग्रा0 गेहूँ/ चावल एवं 200 ग्राम दाल उपलब्ध करायी जाती है । आपूर्ति किए गए खाद्यान्न का बाजार मूल्य लगभग 28–29 रू० होता है । स्वैच्छिक अंशदान से प्राप्त राशि से एक कल्याणकारी कोड्ढ का सृजन किया जाता है और उससे सृजित राशि से कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जाता है ।

राज्य के सृजन के पश्चात से अब तक 5267.674 मे0टन गेहूँ, 11050.866 मे0टन चावल, 722.300 मे0टन दाल एवं 1078.00 मे0टन सोयाबीन तेल का वितरण किया गया है । इन खाद्यान्नों के वितरण के फलस्वरूप कुल 4.9248 करोड़ रू० का कल्याणकारी कोष सृजित हुआ है । इस योजना से लगभग 75.40 लाख श्रम दिवस में खाद्यान्न उपलब्ध कराये गये हैं । वितरित अनाज की बाजार मूल्य से तुलना करने पर यह स्पष्ट है कि मजदूरों को लगभग 16.95 करोड़ रू० मूल्य का खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया है और अंशदान के रूप में मात्र 4.9248 करोड़ रू० प्राप्त किया गया है । इस प्रकार इस योजना से 12.025 करोड़ रू० का प्रत्यक्ष लाभ ग्रामीणों को हुआ है ।

वर्ष 2003–04 से यह योजना केवल रांची, सिंहभूम पू0, सिंहभूम प0 एवं सरायकेला–खरसांवां जिलों में ही चलाई जा रही है। वर्ष 2006 में इस योजनान्तर्गत 11371.929 मे0 टन चावल एवं 494.214 मे0टन दाल विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे । इसमें सें 11207.929 मे0टन चावल एवं 494.194 मे0 टन दाल प्राप्त कर लिये गये हैं और पिछले वर्ष के अवशेष सहित 11050.866 मे0टन चावल एवं 461.830 मे0 टन दाल का वितरण किया गया है । फिलहाल मार्च– 2007 तक के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा 600 मे0टन चावल एवं 26 मै0ट0 दाल का आवंटन प्राप्त है ।

कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत 143 ग्रामों के लिए 57 पेय जलकूप, 97 चापाकल, 22 चेकडैम निर्माण, 146 सिंचाई कूप, 18 लिफ्ट सिंचाई योजना, 9 स्कूल भवन, 2 ग्राम सभा स्थल निर्माण, 4 ग्रामीण प्रशिक्षण केन्द्र, 51067 उन्नत किस्म के फलदार पौधों का रोपण, 204 सब्जी बीज पैकेट का वितरण, 71 दोना–पत्तल मशीन वितरण, 37 मछली पालन एवं 39 मधु–मक्खी पालन, ग्रामीण सड़क 8 कि0मी0, काजू वृक्षारोपण 50 हे0 की योजनाओं का कार्यान्वयन प्रगति पर है ।

विश्व खाद्य कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य सेवा में नया कार्यक्रम राम कृष्ण मिशन के सहयोग से लिया गया है । रांची जिले के 7 प्रखण्डों के 71 ग्रामों में 240 महिलाओं को एक्यूप्रेशर पद्धति से इलाज हेतु प्रशिक्षित किया गया है एवं उन्हें इस से संबंधित आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराये गये हैं । इस योजना का उद्देश्य यह है कि महिलाएं ग्रामों में लोगों को स्वास्थ सुविधा प्रदान कर स्वावलम्बी बनें । रामकृष्ण मिशन द्वारा स्वयं सहायता समूह की 42 महिलाओं को पारा मेडिकल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है जिसका उद्देश्य ग्रामों में महिलाओं को प्राथमिक स्वास्थ केन्द्रों से जोड़कर प्राथमिक स्वास्थ सुविधा प्रदान करना/वांछित स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराना है । इसके अतिरिक्त प्रादेशिक वन प्रमण्डलों एवं स्वयंसेवी संस्था– रामकृष्ण मिशन

आश्रम, मोरहाबादी रांची, कोल्हान महिला संगठन, चाईबासा तथा सहयोगी महिला बगरासराई, खरसांवा के माध्यम से आय सृजन हेतु वर्मीकल्चर, मधुमक्खी पालन, लाह उत्पादन, मछली पालन, मुर्गी/बत्तख पालन, बकरी पालन, सुअर पालन से संबंधित क्रमशः 32,108,100,85,420,120,120, कुल 958 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है एवं कार्य प्रारम्भ करने हेतु आवश्यक धन राशि उपलब्ध करायी गयी है ।

विश्व खाद्य कार्यक्रम के अन्तर्गत वस्तुतः ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराया जाती है और अंशदान से प्राप्त राशि ग्रामीणों के विकास पर ही व्यय की जाती है।